पाछें दंडवत करि अनोसर करें मंदिर को तालो मं
गल करें पाछें दिन घड़ी ६ पाछिलो रहें तब स्नान
करि मंदिर में आय तिलक छापा करि कें स्थापन भो
ग की पाटसा जें तामें ई तनो रिवो वा के लडुवा ८ तर
मेवा मिलाई नग ४ की कटोरी अरु पत्र नी पानें भा
दोवरी ७ ताई इतनो ओर धरनो फलामूंग अपवा मं
गकी ४ हारि अपवा चना की हारि यह फिरनो फिरनो
धरनो कांचे भिजोये धरें जब मूंग धरें तब चनन धरें
मूंग में गिरी की फांक धरें चना की हारि में अजवायन
डारि मिलावें लोन की कटोरी जुदी धरें मूंग हारि धरें
तब कटोरी लोन तथा मिरच की जुदी धरें यामें का
रासि छिकरि तब घंटा वेरि ती ३ बजाई संख नाद बे
र ३ करवाई मंदिर के वार ने जाई भगवद नाम ले
ह मंदिर के किवाड़ खोलें मंदिर में जाय सिंघासन
आगें की नह पर की अपनों वाचों की जो होइ सो उ
ठावें पेंडा पर की गादी उठावें पाछें माला फूल की प
हराय किवाड खुलाय पहरनि होइ झारी तथा बीड़ा
कीन तकड़ी उठाई त्यावें झारी ठला इ तिई भेरि ले जा
य धरें तब टेरा देंई सिंघासन पर गादी आगें छोटी प
डगी धरें ता पर ॐ स्थापन भोग की साजी हें सो भोगध धार
रे टेरा हे बाहिर आवें पाछें सिज्या मंदिर में जाय सि
ज्या पास तें बीड़ा की पान की कडी झारी तब टीप यहें सव उ

से-नि- ठायल्यावें। तब्धी धोड्ठसिज्यामंदिरमेंधरिआवें। पा
८ छेंऊ ल्यापनभोगकेवीडाकीतषड्सिज्याकेबीडाकी
तवकडीसाजें। दोऊजवकडीमेंकटोरीकपूरकीञ्
थवाजायफलजाविञीकीरितुञनुसारधरे। ऊस्
पनभोगकीतवकडीमेंवीडा॥८धरने। पाछेंसवा
कीसिंनाई सिज्यापेरिसमारै। पाछेंभोगसरायवे
कूं ऊबे। वीडाकीतवकडीसिंघासनपरदांहनीदिस
धरिषूर्वकीरीतिसोआचमनकरावें। मुखवस्त्रकरि भोग
सरावें। सिज्यापासनेंचोफेरकीचोकी सिंघासनपर
आगेंल्यायधरे। तब्धीवीचकीचोकीकेआगेंधरें। पा
छेंकिवाडखूलायदर्शनकरावें। पद॥१ गायजायतो
लोदर्शनहोई। पाछेंआरतीकरिखेलोनाखंडवेग
डकीचोकीचोकीनहोयहसवऊठाय देरादेंबीडा
कीतवकडीझारीऊठावें झारीफेरिभरिधरें। हाथ
देंपडगील्यायधरें। आपरसंज्याभोगकीथारधरें
थारमेंएक-गोपवल्लभनसमर्पनो सोमंगलभोगमें
भयोहोयताहीमेंकोयाभांतिभोगधरि सिज्याम
दिरमेंजाई सिज्यामंदिरकेवंटामेंनीर धरिवंटा
पडगीपरिधरिसिज्यापासधरे तथाझारी धरे वी
डाकीतवकडीसवठीककरिधरे। जोऊस्नकालहो
यतोवंटाआदिसवासिद्धिकरेंराखें सैंनआरते
पाछेंजवसिज्यावाहिरतिवारीमेंपधारें। तवसव

से.नि साथहीवडोकरें। याभांतिसिंगारवडोकरिमुखवस्त्र
८ श्रीअंगसवपोछे भलीभांतिश्रीअंगस्वछकरें। पाछे
श्र..केसिंघासनपरपधरावें। पाछेंस्थानवु लावेंमारी
बिडानऊप्पघैयाकरावें वस्त्रएक दुहरोश्रीठाकुरजी
केआगेंविछावें। नयावस्त्रएक।१। चोतहकरिअपनें
पमेंराखें। बेसरिश्रीठाकुरजीकीवडीकरि नवघैयाम
छ्रिहोइ। नवनवकडीमेंकरि अपनेंहातमेंवस्त्रपरर
खिओखिमूंदिकरिआरोगावनगौय। जोकोइसरीन
वकडीमेंसिछ्रिहोइ। नवनोंईराखें। ऐसेंनवकडी। वत
या।१०। आरोगावें। पाछेंवेसरिधरायडवराधरें। पाछे
जी श्रीपादुकांको चोकीपरपधरायसिंगारवडोकरि। सिं
ज्यासवारिसिज्यापरपधरायपरिनअनुसारऊठावें। प
छेंडवरासरावें। आचमनकरायश्रीमुखवस्त्रवीडो धृ
रि बीडा।१। सिंघासनपरधरें। पाछेंपडगीऊठायमें वि
रवस्त्रकरि सिंघासनकोफलटकनावांधें। चोकीमांडें
ऊारीभरिधरें। चोकीपरपातरि।१। विछावें। चोकीकेनी
चेंपीटा।१।धरें। पडगी।१। चोकीपासदाहनीदिसधरें। ता
परलोनसधानाकीकटोरीधरें। नीवूकोसधानानध
रें। साकएकककटोरामेंकरि६ चोकीपरिधरें। लालकोठ
हैंडासरससवग्वालैंरिकीफली। सुवामेंघुसकरके
दी येसाकसेन भोगमेंनकरनों। वाकोफिरनेफिरने
फिरनेकरने। स्याकठीलोहोइ तो चमचामेंलेकटोरा

तषा॰ऽड्गा॥ ञ्रनिमंदिरमेंजाय॥ बीडा॥ सिंघासनपरधे
रा॥ रोहिनी॥ श्रीउजोडूसरीवेरखावाननेंपोहोइ॥ तो ग्वा
लहुं॰ बीडा॥२॥ सिंघासनपरबांईदिसधरें॥ पाछें
आचमनकरायमुखवस्त्रकरिभोगसरावे॥ मालाप
हरावें॥ चोकीकुठाईमंदिरधोंवें॥ पाछेंसिंघासनको
पटकनारखोले॥ पाछेंकिवाडखुलाई॥ दर्शनहोइ॥ आ
रतीकरें॥ दंडवतकरिहाथधोइ॥ टेरादें॥ श्रृंगारकीचो
कीवस्त्रसुद्धा॥ सिंघासनआगुलायधरें॥ पाछेंमाल
बडीकरिसेज्यापासधरिआवें॥ पाछेंसभूनकेसिंगा
रकीचोकीपरपधरावें॥ वागोबडोकरें॥ सबकेअंगवस्त्र
सुश्रीअंगवस्त्रपोछें॥ पाहोचीनपूरराखेहोई तो वे
हुबडेकरें॥ पाछेंसभूनसिंघासनपरपधरावें॥ दंडव
तकरिहाथधोईपोंछे॥ सीतकालहोई तो हाथसे
केपाछें॥ तीनोठोरकीबेसरिसंभारिदेवें॥ पाछेंश्री
ठाकुरजीश्रीस्वामिनीजीसुद्धासाथहीसिज्याप
रपधरायपोढावें॥ तवयहश्लोकपढें॥ भावात्मका
त्मन॰ इ इत्यन्यांकेसेसरूपको॥ रमपेखराधया
शराधायनोरस्निभावत॥१॥ पाछेंरितुअनुसार
उठावें॥ चादरउलाईसुपेती॥ जोआहोइसोसब
ओरतेंसवारिधरें॥ पाछेंश्रीगोवर्द्धनसालिग्राम
सिन्ना जीकीचोकीश्रीठाकुरजीकेंसहनेहाथ॥१॥जुरिश्री
गोकुलेशजीकीपाजिगईसोलगाई॥ ओढाईये

Converted by Tiff Combine - (no stamps are applied by registered version)

ठाकु ६

पाछें श्रीसुंमाईजीकी सिज्याने श्रीगुसांईजीको।
दाहिने पांननकी ओर पूरवपीठ पश्चिममुखराखि
पोढावें। श्रीगोकुलेशजीकी पादुकाजीकी पलिंगडी
ठाकुरके दाहिने उत्तरमुखराखें श्रीगोवर्द्धनसालि
ग्रामके नीचें श्रीगुसांईजीकी पलिंगडी तिविला
र जगेराखिये। नहांपीढा।धरि।वंटा भोगको
तामें ओर। धरें।नपा झारीहुधरें।दोऊपलिंगडी
के बीचराखे। सिज्याभोगकोवंटा नपाझारी नपा
नीर्डीकी।नवकडी।सब आगेसिद्धिकरिराखे हि
सेसबसिज्याके पासबांमओर।पडुगीपरधरें।नपी
हधरें।नवश्रीठाकुरजीकुं श्रीस्वामिनीजीसहित
पोढावें।तवनेयह श्लोकपढीये निरभतकीडनोर
लिमहाकुंजे विवासासो:अन्योन्यंप्रभयेवासीह
न्योस्मोवितोसकोश।रतिश्रमशयानयोरत्नसलोच
नोभोजयो:कलिंविमपिकुजतो रभीमियुमरवमि
थ:सस्मितो।रतांणनरितोकयो मिलितजानुसंवाह
ने।मदांबुजिनन्यानिम द्वनिजटं तिराधेसयो।२
केलिश्रांतशयन श्रीराधासपहसरोजानि।क
पयांकृतांनि मइरसिकदांनुसंन्यालइपेष्येहुं।३
प्रातकुंजगृहान्वहयदिसमागत्यास्थिताल्वम
ज।स्वभा। ।सिदद्दासिचर्वितमिदंकार्यहस्तेन
नु।तांबुलस्य यदापुनस्तदिह साक्षि इमुवदाव

Converted by Tiff Combine - (no stamps are applied by registered version)

मुख्या कार्यः किसतनं मसी हासि पुष्टि त्वंखोमि
नीत्वं तदा ॥५॥ श्रीवल्लभाचार्यमते फल्लं नत्वाक
एमवाव्यभिचार हेतुः ममैव रतुस्मिन्नवधोक नं
॥ति स्तत्रोपयोगो खिल्लसद्दैना ना॥६॥ नयोह यदं
हीवरसुंदरा ही ब्रतस्पव हाबन नेस्ता धे सर्वात्म
भावेन सदास्य नास्य मस्याग्नि श्रोशातु फल्लान
भूतिः ॥६॥ श्रीमदाचार्य पदांब्रं नवेषेस ह्रदिस्थि
॥ते॥ मदा श्रीराधिकाकांत स्तव्रतिष्ठति सुस्थिरः
॥७॥ अनन्यचित्रपरो भोग भजने सर्वथा मने ॥ऊतप
लुम्बिनो न स्याहृतिः काचनविद्यते ॥८॥ यह ॥
श्लोकन को अर्थ विचारत दंडवत करि निकसी
यें ॥ हीवीतपासी तत्काल होइ तो आंगी ठीवाहि
रकार मंदिर को दंडवत करि बाहिर आवे ॥ या रीति
सो नित्य सेवा करे ॥ श्रीकृष्णायनमः ॥ प्रति गो
काद्शी को गोपीवल्लभ भोग धरे ॥ ताको प्रकार
रोटी गुड कटोरीन में ईमनीवल्ल धरीये ॥ घी
भुज्यो साक ॥ रायता ॥ दहीं ॥ बाध्यो ॥ बूरा ॥ सिखरन
सधाना ॥ लवण ॥ या भांति प्रति एकादशी कु धरीये
॥ श्रीकृष्णायनमः ॥ प्रति द्वादसी कुं श्रीगोपीवल्ल
भ भोग धरीयें ॥ ताको प्रकार ॥ मादोवडी ॥१॥ तेंको
र्तिकवडी ॥२॥ नाईवडी भात पापड ॥ तिलवडी
घेवरि कचुरीया ॥ औरकटोरीन में घी भुज्यो साक
निजमंदिरको तासनमसन करियें । म ढूंति वारी कोता
[illegible]

रामनाहको बांध्यो सधांनानवग्ण ओरऋगहें
नवदी १२ पर्यंतबडी भातकी जागें खीचडी धुरें
बाकी सबया भांतिधुरें पाछें चैत्रवदी १२ तेवैसा
खबदी द्वादशीता फेरि दही भात धुरनो बाकी पीयत
सबवाही भांतिधरें वैसाखवैदी १२ श्रावनवदी
१२ ताई सिखरन भात दही भाँतिधरें फिरनो फि
रतोधरनो सिखरन भातधुरेंन तुनिराखनो सिख
रनभात बुरामेलिधुरें दही भात धुरें तवई लनो
ओरहुधरें कटोरीनमें भुज्यो साक साधांनाल
वण या भांतिधुरें ओरम्पतिद्वादसीको राजभोग
केसाथ श्रीयमुनाजी कोभोगधरें ताकोप्रकार ल
कुरकेदाह नीदिस चोकीमांड तापर हौडीधरें न मारी
किपानही गा हीधुरिबीन तीकरि श्रीयमुनाजी
कोध्यानकरि भावसोंपधरावें जस्मकालहोई
तो चाहर स्वतजरावें वामदिस पडगीपरला पात्रला
रीधरें चरणछुवें दंडवतकरि पड्गी आगेंधुरि मा वे हरावें
ठ १० अथवा ओरसांमिग्रीहोई तो वहध्यारमें ध
रिभोगधरें मोतऽस्मकालहोई तो सिखरन भात
अथवा दही भात जो भयो होई सोधुरें आंमरव
रवुजाहु धरें या भांतिम्पतिद्वादसीको करनो
सीतकालमें ऐकदोयवेरि मंगलभोगमेंहु
सरवडी रूपरोगें ताकोप्रकार जो नित्यधरत है सो

Converted by Tiff Combine - (no stamps are applied by registered version)

से॰नि धरें पडगी २ मखुडीकीमाडें धार १ मेंनवुरएकौ
११ भात अथवारवीचुडीधरिवापर घीकोकटोराधु
रें न मेचमचाधरें थोडोघीचमचासोलेलौन
कोभाठवारवीचुडीहोई तोमेडारें दुसरीपडगी
परथार १ मेंयाभांतिधुरें बीचोबीचकटोकोकटो
रा पापडतरे तिलवडी वेवरि कचरीपापडाकन
ही सधानाकीकटोरी १ मोधरें याभांतिभांतिमं
मंगल भोगमेंहोई वेरिसखडीधुरें एकवेरिजो
ऊंगकोभात एकवेरिखीचुडीधुरें सि
ज्यासवारिवेकोप्रकार सिज्याकोसिराहनोपछि
पा मपाईनपुरवकोराखनो मुखीयाहोईसोईनिवेरि
संवारें सिज्यामंदिरमेंसीतकालमिषेंतहरूईदार
सिज्यामंदिरतेहाथचारिओरघाटऐसीबिछावनी
सिज्याकेच्यारयोपायकुआईचनीचेंगीरदाकेऊपरपड
पईयाधरनेऊस्नकालमेंतहनही बिछावनीसि
रहाहनही परनसीतहोई तवऊपेदीतीनबिछा
वनी कसनाकीरीतिडोलपीछें ग्राछोदिनदेखि
कसनावांधने सोश्रीगोकुलनाथजीकेऊत्स
वमहाऊत्सवताईरहे ऊपरांतनहीं कसनाके
ग्रामेंघुघरूलगावने याप्रकारसोकसनाकस
ने पाछेंदिलस्तहोईमखमलके एकसिरहाने
एकपायन ताकेलपेटनाआछेमीहीस्वेतवस्त्रके

लपेटने। बीजलिस्तिसिज्यासीचारचारआंगुरघाटघा
टरहे। तोऊषालस्तमेंऊघाऊंघुघरूहारिलगावने
सोंऊबाडोरीमेंसीराखने। ऊबासिज्याकेहोऊऔ
लन्टकलेरहें। पाप्रकारसोऊबाहोऊबालस्तलर
गाईये। एकसिरहानेंएकपांईतधरीये। सिरहा
नेंकेवालबोहस्तआगेगिरताहोइ। मरवमलकेदो
ऊओरधरने। ताकेलपेटनखेतसिरहानेंकेवा
लस्तमेपैनीहोइहरीआईकी। तामेंकस्तुरीधरि
होऊओरडोरीसोंबांधिदेनी। जेंच्छमीकोबाधे मा
सोवर्षपर्यंतरहे फेरीजन्माष्टमीकोनईहेराई। पु
रानीनहोइतोसुपेतीनीनसाटिनरावनीरात्र
कोसुपेदीमेंचादरिमीहीनसाटनी। दिनमेंचाद
रनसाटनी। सुपेती। ॥ मेंरूईदोयसेरपडे। ऊस
काननमेंसिज्यापरसुपेती। ॥ पाछेंगाढेवस्त्रकीवि
छावनी। तापरोपवहेरपटीबाखे। रविविछावेंडोल
के। दूसरेदिननेंविछेसोदिवारीकेदूसरेदिनताईं मपम
रहे। उपरांतनहीं। तापारचादर। गाढेऊंगकीविछ
छावनी। तथाऊनस्तबेलपेटनादोऊदोऊलपे
टने। सिज्यापररजाईऊपरचादरिसमैंऊनुस
रजोईसोऊठाईराखनी। एककोनोठाकुरकोदि
सकोऊलटिराखनो। बाहरजाइनठाकुरहिंडो
रावेहे तादिननेंरंगीनसवरंगकी। दिननमेंओढें

Converted by Tiff Combine - (no stamps are applied by registered version)

सेवा
१२

जन्माष्टमीकोकेसरिकोदुसरीअष्टमीतोईरहैं
सोउदिनमेंराखनीरात्रकोचादरिसदासेतराख
नीयाभांतिचोरस्यादाकिरावेंखनौ।सोराजभोग
उपरांतउठाईलेनें।सिज्याकेपाससाजधरनो
सोसामिग्रीकोबंटासिरहानेंपाईतरआपासपडगीप
दिनमेंबंटानही।पडगीपरझारी१धरें।पानदियासे
लगाईझारीकेनीचेंचोपडकीचौकीमांडनीसि
हनेंदिसवाईदिसासिज्यानेंएकवुनामुदगरीपड
गीपरझारीसिरहानेंकेपाईआपासा।उस्नका
लहोईतोझारीकेनीचेंपडगी।१परकरवा१मा
टीको स्वेतभीजेवस्त्रसोलपेटधरनो।तापरकटो
री१कमेंकरवडी।धधरनी।ताकेनीचेंतष्टीकीप
डगीधरनी।ताकेनीचेंतष्टीपरवीडाकीनवकडी
धरनीदिनमेंवीडा।१०।रात्रकोवीडा।१५कटोरीमें
जायफललजावत्रीलमातकपूरसोवीडाकीनवकु
डीमेंमधरें।उस्नकालहोईतोचंदनकोबंटानपु
मकालखवडीकेवीचोवीचधरनो।तथासिज्यानें
विलाद।१इरिसिरहानेंचोकीऐसा।१धरनीजेंवी
तापरपंखाधूधरीयादिसबभांतिकेधरें।सबप
डगीनीचेंगिरदाकपडाकेचोतहाराखनेंपवि
त्राऐकादसीतेंठाकुरजीसबवेराबाहिररहेंत
यासिज्यादिनहुमेंबाहिररहे।सोविजेदसमीके
जोतहमेंदागनेपर उपका [illegible]

Converted by Tiff Combine - (no stamps are applied by registered version)

ऐकश्रीगुसांईजीके [illegible] [illegible]
हृदय [illegible] के

सेनभोगधरमें पूरोगो के पिछाहिरनपधारें सिज्या
केसाजवर्षदिनमें ॥ नयेहोई सीतकालकीरी
तिके ॥ जन्माष्टमीतथा दिवारीको ऐकसाजमेंई
तनो ॥ चादर २ मीहीं चादर १ गादी गलेफदोय
वाल्लिसकी दोऊसजया लेहूं भांतिकरनो ऊस्मा
कालको साजदोय ऐकडोर्डकी ऐकमततामनू
केऊन्सवको ऐकसाजमेंई तनो खेसवादोहर
ऐकपटो चादर १ मीही चादर १ गाद्दी गीलाफ
दोय वालस्तकीदोह डीया भांतिदोऊसाजकर
ने सिज्याकेपासराजभोगकी चोपडकी चोकीन
हीरहतहें श्रीहरि ॥ ॥ वर्षदिनमेंगदर च्यारिधन
येहोई ऐकप्रबोधनीको लालनदरि आई वालना
ऊतलसको ऐकश्रीगोकुलनाथजीकेमहाऊत्स
वको लालवाजरदहरिआईको ऐकवसंतपंचमी
कोजरदहरिआईको ऐकश्रीगुसांईजीके ऊ
त्सवको लालवाजरदहरिआईको यामांतिग
हरि ४ करने श्रीहरि ॥ ॥ रामनोमीलाईवाग
ठाकुरजीपहरें रामनोमीऊपरांतखुलेबंदकेआ
गारहोई बडीगरमीहोईतोपिछोडाजूनेरंगी
नधरें संखाजूनेरामनोमीतेंधरने श्रीहरि ॥ ॥
[illegible] वारा भोगधरिवेकेमनोरथहोईतोजदईहो
[illegible] लियें ताकेप्रकारदोयपरोधरीयें दोह